राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9798431468

प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल ने इंदिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना के 6ठे एवं 7वें दीक्षान्त समारोह को किया संबोधित

पटना, 04 मई, 2021

महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने इंदिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना के 6ठे एवं 7वें दीक्षान्त समारोह को संबोधित करते हुए नई पीढ़ी के युवा चिकित्सकों एवं अन्य चिकित्सा कर्मियों को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि भारत में किसी भी व्यक्ति को चिकित्सा के अभाव मे अपना जीवन नहीं गँवाना पड़े।

उन्होंने कहा कि भारत प्राचीन काल से ही चिकित्सा के क्षेत्र में आगे रहा है तथा आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के विकास में भी हमारे मनीषियों का अनुपम योगदान रहा है। चिकित्सा क्षेत्र में हमारी विरासत काफी गौरवशाली है, जिससे पूरी दुनिया आज भी चकित है।

राज्यपाल ने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के कारण औसत आयु बढ़ी है, इसलिए यह जरूरी है कि इलाज के साथ–साथ आमजन को नियमित दिनचर्या और समुचित जीवन पद्धति की जानकारी भी दी जाए ताकि पश्चिमी देशों की तरह वृद्धावस्था हमारे यहाँ कोई समस्या बनकर सामने नहीं आए। उन्होंने कहा कि इसके लिए चिकित्सा संस्थानों को चिकित्सा पद्धति में शोध एवं विकास के साथ–साथ ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य परिचर्चा शिविरों का आयोजन करना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि आई॰जी॰आई॰एम॰एस॰ गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा के साथ–साथ स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास भी काफी बेहतर ढ़ंग से कर रहा है। यहाँ किडनी एवं लीवर प्रत्यारोपण का काम शुरू हो गया है एवं हृदय रोग तथा कैंसर आदि बीमारियों का ईलाज बेहतर ढ़ंग से किया जा रहा है। नेत्र चिकित्सा केन्द्र एवं आई बैंक के कार्य भी सराहनीय हैं। आई॰जी॰आई॰एम॰एस॰ में बेड की क्षमता को बढ़ाकर अब 3000 किया जा रहा है जिससे यहाँ और अधिक रोगियों का ईलाज हो सकेगा।

उन्होंने कहा कि आई॰जी॰आई॰एम॰एस॰ में राज्य कैंसर संस्थान बनकर तैयार हो गया है तथा क्षेत्रीय चक्षु संस्थान का निमार्ण कार्य भी जल्द ही शुरू होने जा रहा है। यहाँ गंभीर कोरोना मरीजों का ईलाज भी प्रारंभ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा प्रारंभ की गई 'आयुष्मान भारत योजना' से आई॰जी॰आई॰एम॰एस॰ में दर्जनों रोगी प्रतिदिन लाभान्वित हो रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि राज्य में उपलब्ध बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के चलते वर्तमान में बिहार का मातृ मृत्यु अनुपात घटकर 149 एवं शिशु मृत्यु दर 34 हो गयी है। उन्होंने आशा जतायी कि आई॰जी॰आई॰एम॰एस॰ एवं अन्य चिकित्सा संस्थान तथा ग्रामीण क्षेत्रों के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अपने सामूहिक प्रयासों के जरिये टीकाकरण को शत–प्रतिशत सफल बनाते हुए 'स्वस्थ भारत और समृद्ध भारत' के सपने को साकार करने में भरपूर सहयोग प्रदान करेंगे।

दीक्षान्त समारोह में माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पाण्डेय, आई॰जी॰आई॰एम॰एस॰ के निदेशक श्री एन॰आर॰ विश्वास, अन्य चिकित्सकगण एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे। समारोह का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के जरिये किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव श्री रॉबर्ट एल॰ चोंग्थू भी उपस्थित थे।

.....